"मुझे लगता है कि कोई मेरी जिंदगी में दखल दे रहा है, आदित्य। यह सब इतना अजीब है कि मैं अब खुद पर भरोसा नहीं कर पा रहा हूँ।"

Preview from N
Page

आदित्य ने उसे थोड़ी देर सुना और फिर कहा, "क्या तुम यह सब सिर्फ अपने दिमाग का भ्रम तो नहीं समझ रहे हो? हो सकता है कि तुम तनाव में हो।"

"नहीं आदित्य, यह सिर्फ तनाव नहीं है। यह कुछ और है। मुझे लगता है कि कोई मेरी जिंदगी को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है।" आकाश का चेहरा गुस्से और डर से भरा हुआ था।

आदित्य ने उसे शांति से बैठने को कहा, "तुम्हें सबसे पहले अपने दिमाग को शांत करना होगा, आकाश। फिर हम इसके बारे में सोचेंगे।"